भारत में विदेशी विश्वविद्यालय

विद्यालय एक देश की सबसे ज़रुरी ज़िम्मदारी और उम्मीद है। क्योंकि एक देश अपनी ऊँचाई तक लेकर जानने के लिए ज्ञान की बहुत ज़रुरत है। पर आज की इस दुनिया में कई सारे अवसर हमें मिल जाती है। प्रसिद्ध लोग नेता नेलसन मंडेला की कहना बहुत मशहूर है " ज्ञान एक ऐसी हथियार है जिससे हमें दुनिया बदल सकती है"। भारत में अपनी युवजनों को आगे बढ़ाने के लिए कई सारे विद्यालय परियोजन शुरु किया है, जैसे " बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ"। आज की इस ज़माने में ज्ञान पाने के इच्छा कोई कम नही है, कई शोर विदेशी विद्यालय की आगमन से और भी रोज़गारी, नई-नई क्षेत्र में अपनी कामीयाबी करना यह सब हुआ है। पर क्या इस में सिर्फ एक अच्छाई है? क्या इसका असर हमें भविष्य में खतरा हो सकता है?

हर सिक्के को दो तरफा है, जैसे इस बात में भी ऐसा है। देखते है क्या-क्या अच्छाई या भुराई हो सकता है जब भारत में विदेशी विद्यालय की असर होने से, और क्या-क्या प्राप्त कर सकता है हमें इस विदेशी विश्वविद्यालय होने से।

(Note: This page will be scanned to publish the article in schoolwiki. So, Write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf).

हर बात की अच्छाई की बात शुरु करना अच्छी बात है।

(क) दुनिया को जानना :- अगर पुरानी ज़माने की तरह गुरुकुल संप्रदाय होता तो हमें सिर्फ अपनी देश की बात और उससे मिलन हुए ज्ञान ही प्राप्त कर सकती है। मगर एक विश्वविद्यालय में बच्चों की पढ़ाई हुआ, तो उन्हें दुनिया जान सकता है। विदेशी लोगों की मदद से नई - नई दिशा मिल सकती है। सिर्फ एक कमरे में बंद होने जैसा नही होगा बल्कि एक दूसरे देश की मदद करके आगे बढ़ सकता है।

(ख) आरोग्य क्षेत्र में :- आज की तेज़ी दुनिया में हमारी सिहत सिर्फ और सिर्फ खतरा ही है। इसका इलाच करना एक देश की बस की बात नही है। जब 2019 में कोरोण वैरस हमारी दुनिया को हिला दिया, तो विभिन्न देशों की जुल मिलकर सहायता से हमें इस महामारी को सामना करने की ताकत मिली गयी। भारत में विदेशी विद्यालय होने की बलबूते पर हम ने निपा वैरस बहुत तेज़ी से काबू में कर पाया। इस क्षेत्र में विदेशी विद्यालय की ज़रुरत बहुत बड़ी थी। इस बात को कोई डाल नही सकते।

(ग) काम मिलने की प्रतिशत : भारत में विदेशी विश्वविद्यालय होने से कई विदेशी भाषाओं को हमें सिखाने से हमारी अवसर सिर्फ भारत में नही बल्कि कई-सारे देशों में फैल गयी है। इससे नई सारे काम मिलना और एक अच्छी ज़िंदगी जीने की याग्यता हमें मिलेगी। बहुतर ज्ञान की कई अवसरो को जीतकर हमें एक नई उम्मीद अपनी देश को दे सकता है। आज कई लोग युरोप में कई विदेश राज्यों में काम करने के लिए चला हुआ है। भारत की सबसे बड़ी दुश्मन तो बेरोज़गारी है। पर इस बहुत बड़ा प्रश्न को सामने करने के लिए विश्वविद्यालय की हिस्सा कोई छोटा नही है।

अच्छाई तो सबको दिखता है, अगर एक झलक से यह बात को देखलिया तो इसकी अच्छाई के अलावा कुछ और देख ही नही सकते। पर इसमें बहुत खतरा छुपा हुआ है जो शायद हमारी नज़रीया से देख ही ना पाए।

(क) भारत की मूलयों का नष्ट : यह बात शायद हमें इतनी बड़ी बात नही लगेगी, पर यह हमारी संस्कार को बदल सकता है। अगर हमारी देश में विदेशी

विद्यालयों का अधिक हुआ, तो हमारी आनेवाले पीड़ी को शायद हमारी संस्कृती, हमारी वेषभूष, हमारी भाषा सब एक याद बनकर रहेगा। अभी इस असर का प्रारंभ हुआ है। "अगर अंग्रीज़ी जानते है तो बहुत बड़ी महान, नही जानते तो उसके पास ज्ञान नही है।" यह बात आज की भारतीय लोगों की दिल में बस हुआ। यह लोग यह नही समझती की अंग्रीजी भी बाकी भाषाओं की तरह सिर्फ एक भाषा है।

(ख) भारत में युवजनों की संख्या गिरना : विदेशी विश्वविद्यालय में पढ़ने बाद, युवजनों अन्य विदेशी राज्यों में चल रही है। इससे भारत में सिर्फ बुढ़ा लोग रह जाएगा अगले 10, 15 साल से। एक देश की सबसे बड़ी खज़ाना है अपनी देश की नौजवान, अगर वह न रहे तो देश कभी आगे नही बढ़ सकते। इस कार्यक्रम को रोकना बहुत ज़रुरी है। वर्णा शायद हम फिर से गुलाम बनकर जीना पड़ेगा। तो हमें अपनी युवजनो को अपनी देश की ऊँचाई के लिए इस्तमाल करना चाहिए तभी हमें इस विश्वविद्यालय का सही इस्तमाल

कर पाएगा।

(ग) भारत सिर्फ दूसरी देशों को बलबूते पर रहना :- अज़ादी मिलने की 79 साल बात भी आज भी भारत को दूसरे देशों का सहायता के बिना कुछ भी कर नही सकते। चाहे वो लोहा की निर्माण हो, या आरोग्य क्षेत्र में, खाना या कुछ भी। सब में एक या दूसरे देश में सहायता पाना पड़ता है। यह बहुत बड़ा खतरा है, अगर किसी देश ने मदद करने से इनकार किया तब हम परेशान में होगा। तो यह सिर्फ विद्यालय की बात नही कर रही है, बल्की यह शायद हमारी मजबूरी बन जाएगा। और इसको रोकना बहुत ज़रूरी है।

अच्छाई या बुराई तो सब कर सकते है, पर इसका हल निकालना सबसे बड़ी मुश्किल है। यह चीज़ शायद हमारी ज़िंदगी आगे बढ़ाने के लिए बहुत मदद करेगा पर उतनी ही हमें हमला कर भी सकता है यह। तो हमें देखना है हमें इसका क्या कर के सिर्फ इसका भला प्राप्त कर सकता है। तो आगे जाके देखते है कैसे इसको सामना कर सकता है।

(क) हर विद्यालय में भारतीय उत्पन्न कार्यक्रम को पढ़ना :- आज हम यह अच्छी तरह है जानते है कि अंग्रीज़ हमारी दुनिया सिर्फ भारत नही कबशा किया है। शायद इसके बिना हम ज़िंदगी आगे नही जला पाएगा। पर अगर हमने हमारी "मूल्य, संस्कृति," यह सब आने वाले पीढ़ी को समझाएगा तो शायद हम इसको एक हद्द तक रोक सकता है। "जैसे महात्म गांधि ने युवजनों को वोकेशनल ट्रैनिंग देने के आरंभ की गई विद्यालयों" का सही इस्तमाल करना, इन सबसे हमें इसको रोक सकता है।

(ख) युवजनों को मौका देना :- हम सब यह जानते है की युवजनों को नई-नई मौका मिलना चाहिए अपनी प्राविण्य दिखाने के लिए। अगर मौका नही दे दिया तो वह ~~दू~~ मिलने के लिए वह चली जाएग और हमें इसका असर होगा। केवल विदेशी विध्यापन देने से कुछ नही होता, बल्की उनको अवसर देना है अपनी काबीलियत को दिखाने के लिए। तभी हमें इस विज्ञान से भला होगा। तो इसकी ज़िम्मदारी हमारी है।

(ग) लोगों को इस बात का एहसास दिलाना :- भारत की विदेशी विश्वविद्यालय का सही इस्तमाल करने की अवश्यकता बताना ज़रुरी है। यह हमारी सरकार की काम है। युवा पीढ़ी को सही दिशा देकर आगे बढ़ाने की हिम्मत देना चाहिए। शायद कुछ लोगों की नज़र में यह मुशकिल तक नही होगा, पर शायद दुनिया को जानने की चक्कर में हम हमारी भारतीय मूल्यों को भूल जाते है। इसको रोकने के लिए विद्यालय में बच्चों को कई सारे कार्यक्रम करवाके उनके मन में यह एहसास डाल सकता है कि, इसको कैसी सही इस्तमाल से अपनी भारत को रोशन कर सकती है।

इन बताना से कुछ नही होता। बल्कि इन सब को ज़िंदगी में लाना बहुत ज़रुरी है। आज की दुनिया एक खज़ाना है, एक चुटकी से दुनिया की सारी बात हमारी आँखों की सामने आ जाएगी। इसकी सबसे बड़ी मिसाल है विदेशी विश्वविद्यालय हमारी भारत में होना। एक अलग ज्ञान की दुनिया हमारी सामने खुला

64-ാമത് കേരള സ്കൂൾ കലോത്സവം, തിയ്യതി..... പ്രോഗ്രാം കമ്മിറ്റി

हुआ है। यह एक पुल है भारत और अन्य विदेश राज्यों के बीच। विश्वविद्यालय ने हमारी ~~सोच~~ सोच, दुनिया को देखने की नसीखा सब बदल दिया है। और इस बदलाव को सही रास्ता दिखाना है। क्योंकि विदेशी विश्वविद्यालय हमारे लिए एक नई दिशा - और उम्मीद बन चुका है। एक भारतीय होने फर्ज निभाना तो हमारी कर्तव्य है। तो इस हुसूल के मुताबीक एक अच्छी ज़िंदगी जी सकता है हम जो खुशी से भरा हुआ है।